

प्रेषक,

एन0एस0नेगी,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
खेल निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन, खेलकूद अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: ⁰⁵ जनवरी, 2012

विषय:- वित्तीय वर्ष 2011-12 हेतु आयोजनागत/आयोजनेत्तर पक्ष में अवशेष धनराशि का आवंटन।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1668/ब.पत्रा./2011-12/दे.दून दिनांक 13 दिसम्बर, 2011 एवं शासनादेश संख्या-368/VI-2-2011-21(2)/2011 दिनांक 19-4-2011, शासनादेश संख्या-513/VI-2/2011-21(2)/2011 दिनांक 26 मई, 2011, शासनादेश संख्या-660/VI-2/2011-21(2)/2011 दिनांक 4-8-2011, शासनादेश संख्या-765/VI-2/2011-21(2)/2011 दिनांक 15-9-2011 तथा शासनादेश संख्या-871/VI-2/2011-21(2)/2011 दिनांक 22 नवम्बर, 2011 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि, वित्तीय वर्ष 2011-12 में खेल विभाग के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत आयोजनागत पक्ष में ₹27.50 लाख (₹ सत्ताईस लाख पचास हजार) मात्र तथा आयोजनेत्तर पक्ष में ₹76.50 लाख (₹ छियत्तर लाख पचास हजार) मात्र, अनुदान संख्या-30 के आयोजनागत पक्ष में ₹ 10.00लाख (₹ दस लाख) तथा अनुदान संख्या-31 के आयोजनागत पक्ष में ₹7.50 लाख (₹ सात लाख पचास हजार) मात्र की धनराशि निम्नांकित विवरणानुसार आपके निवर्तन पर रखे जाने एवं निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

अनुदान संख्या-11 लेखाशीर्षक 2204-खेलकूद तथा युवा सेवायें-104-खेलकूद

(धनराशि हजार में)

मद का नाम	आयोजनागत	आयोजनेत्तर
03-भूतपूर्व प्रसिद्ध खिलाड़ियों तथा पहलवानों को वित्तीय सहायता		
20-सहा.अनु0/अंशदान/राज सहायता	--	500
07-विशिष्ट खिला. को प्रदेशीय पुरस्कार		
20-सहायक अनु0/अंशदान/राजसहायता	2500	150
08-नेहरू पर्वतारोहण संस्थान को अनुदान		
20-सहायक अनु0/अंशदान/राज सहायता	--	4250
43- वेतन भत्ते आदि के लिए सहा.अनु.	--	--

10- राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार 20- सहा.अनु. /अंशदान /राज सहायता	--	1250
12- प्रदेशीय क्रीडा संघों, क्लबों एवं अन्य क्रीडा संघों आदि को प्रतियोगिताओं के आयोजन करने एवं खेलकूद उपस्कर कय हेतु अनावार्तक अनुदान 20-सहायक अनु0 /अंशदान /राजसहायता	--	1000
15-प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन 20-सहायक अनु0 /अंशदान /राजसहायता	0	500
24- सिविल सर्विसेज प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को सहायता 20-सहायक अनु0 /अंशदान /राजसहायता	250	0
योग - (104- खेलकूद)	2750	7650

अनुदान संख्या-30 लेखाशीर्षक 2204-खेलकूद तथा युवा सेवायें-104-खेलकूद-02-अनुसूचित जातियों के स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लान

(धनराशि हजार में)

मद का नाम	अवमुक्त हेतु प्रस्तावित धनराशि (आयोजनागत)
0201-प्रतियागिताओं का आयोजन 20-सहायक अन0 /अंशदान /राजसहायता	500
0202-प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन 20-सहायक अन0 /अंशदान /राजसहायता	500
योग	1000

अनुदान संख्या-31 लेखाशीर्षक 2204-खेलकूद तथा युवा सेवायें-796-जनजातिय क्षेत्र उपयोजना

(धनराशि हजार में)

मद का नाम	अवमुक्त हेतु प्रस्तावित धनराशि (आयोजनागत)
02-प्रतियागिताओं का आयोजन 20-सहायक अन0 /अंशदान /राजसहायता	400
03-प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन 20-सहायक अन0 /अंशदान /राजसहायता	350
योग	750

2-- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि उक्त के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश सं0-209/XXVII(1)/2011 दिनांक 31 मार्च, 2011 में विहित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों एवं अन्य

.....(3)

आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। संगत योजनाओं में पूर्व स्वीकृत/अवमुक्त धनराशि के पूर्ण संतोषजनक व्यय होने के उपरान्त ही वर्तमान में स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण/व्यय यथा आवश्यकता किया जाय।

3- उक्त धनराशि उन्हीं मदों पर व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है। व्यय में मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजे।

4- स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय यथा आवश्यकता मितव्ययता को ध्यान में रखकर नियमानुसार किया जाना सुनिश्चित किया जाये। फर्नीचर, उपकरण व सामग्री आदि का क्रय अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के संगत प्राविधानों का अनुपालन करते हुए सुनिश्चित किया जाये।

5- व्यय बजट एवं परिव्यय की सीमान्तर्गत रहते हुए ही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

6- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2011-12 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-11, के अन्तर्गत प्रस्तर-1, 2 एवं 3 की तालिका में उल्लिखित विभिन्न योजनाओं के संगत लेखाशीर्षक/मानक मदों के नामे डाला जायेगा।

7- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ0शा0संख्या-374(पी)/XXVII(3)/2011-12 दिनांक 28 दिसम्बर, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एन0एस0नेगी)
राचिव

पृष्ठांकन संख्या- 14 /VI-I/2012-21(2)2011 तददिनांकित।

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड़, देहरादून।
- 2- मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड।
- 5- एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
- 6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(संजीव कुमार शर्मा)
अनुसचिव